KOLHAN UNIVERSITY

CHAIBASA, JHARKHAND

SYLLABUS
FOR
UNDERGRADUATE PROGRAMME
IN PHILOSOPY
(As per Jharkhand NEP, FYUGP 2020)

बी.ए. प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (दर्शनशास्त्र) / B.A. Hons. Programme (Philosophy)
(As per Jharkhand NEP, FYUGP 2020)
सेमेस्टर–I/ Semester - I
IRC
Introductory Regular Course

Credits- 06
Max. Marks - 60
Min. Marks -

Philosophy

उद्देश्य	इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को दर्शन का स्वरूप, वैदिक एवं अवैदिक दर्शनों यथा, उपनिषद्, चार्वाक, जैन और बौद्ध दर्शनों के तत्त्वमीमांसीय एवं ज्ञानमीमांसीय अवधारणाओं के साथ–साथ उनके आधारभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।	
Objective	The objective of this course is to teach and train the students the nature of philosophy, the metaphysical and epistemological concepts of Indian Philosophy, and the concepts that belong to the Classical and Heterodox systems of Indian Philosophy, delving deep into the basics and fundamentals of Upanishads, Charvaka, Jaina and Buddhist Philosophy.	
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या**
इकाई-I	**दर्शनशास्त्र का परिचय** 1. दर्शन का स्वरूप 2. भारतीय दर्शन का वर्गीकरण 3. पाश्चात्य दर्शन का इतिहास 4. दर्शन एवं फिलॉसफी में भेद 5. भारतीय दर्शन की विशेषताएं	18 घण्टे
Unit-I	**Philosophy** 1. Nature of Philosophy 2. Classification of Indian Philosophy 3. History of Western Philosophy 4. Distinction between Darśana and Philosophy 5. Characteristics of Indian Philosophy	18 Hours
इकाई-II	**तत्त्वमीमांसा का परिचय** 1. तत्त्वमीमांसा का स्वरूप एवं विषय क्षेत्र 2. परमतत्त्व के स्वरुप सम्बन्धी सिद्धांत: क) गुणात्मक सिद्धांत –भौतिकवाद, अध्यात्मवाद ख) संख्यात्मक सिद्धांत- एकतत्त्ववाद, द्वैतवाद, बहुतत्त्ववाद 3. चार्वाक दर्शन में भौतिकवाद, अद्वैत वेदांत का प्रत्ययवाद 4. सांख्य का प्रकृति एवं पुरूष विचार, 5. वैदिक दर्शन का बहुदेववाद	18 घण्टे
Unit-II	**Introduction to Metaphysics**	18 Hours

	1. Nature and Scope of Metaphysics 2. Theories about the nature of ultimate reality: i) Qualitative Theories: Materialism, Idealism ii) Quantitative Theories: Monism, Dualism, Pluralism 3. Materialism of Charvaka Philosophy, Idealism of Advaita Vedanta, 4. Prakriti and Purusha of Samkhya 5. Polytheism of Vedas	
इकाई-III	**ज्ञानमीमांसा का परिचय** 1. ज्ञानमीमांसा का स्वरूप एवं समस्याएं 2. ज्ञान के स्वरुप सम्बन्धी सिद्धांत: संदेहवाद, यथार्थवाद, अज्ञेयवाद, सापेक्ष, निरपेक्ष 3. ज्ञान के श्रोत सम्बन्धी सिद्धांत: बुद्धिवाद, अनुभववाद 4. ज्ञान का वर्गीकरण प्रमा एवं अप्रमा 5. प्रमाण	18 घण्टे
Unit-III	1. Nature and Problems of Epistemology 2. Theories about the Nature of Knowledge: Scepticism, Realism, Agnosticism Subjective, Objective 3. Theories about the Sources of Knowledge: Rationalism, Empiricism 4. Classification of Knowledge as Prama and Aprama 5. Pramana	18 Hours
इकाई-IV	**नीतिशास्त्र का परिचय** 1. नीतिशास्त्र का स्वरूप एवं क्षेत्र 2. नीतिशास्त्र का मनोवैज्ञानिक आधार: स्वैच्छिक और-गैर स्वैच्छिक क्रिया 3. नैतिक निर्णय का स्वरुप और उद्देश्य, नैतिकता की मान्यताएं 4. प्रयोजनवादी नीतिशास्त्र: सुखवाद, उपयोगितावाद, कर्मवादी नीतिशास्त्र 5. भारतीय नीतिशास्त्र के सामान्य लक्षण, भारतीय नीतिशास्त्र का विकास, ऋत एवं सत्य ऋण एवं यज्ञ, योग एवं क्षेम, पुरुषार्थ, आश्रम व्यवस्था, कर्म सिद्धांत,	18 घण्टे
Unit-IV	1. Nature and Scope of Ethics 2. Psychological Basis of ethics: Voluntary & Non-voluntary action 3. Nature & Object of Moral Judgment, Postulates of Morality 4 . Teleological Ethics: Hedonism,	18 Hours

	Utilitarianism Deontological Ethics 5 . Characteristics of Indian Ethics, Development of Indian Ethics, *rta, rna*, and *yajna*, *yog* and *chhem*, *Purushartha, ashrama vyavastha*, law of action	
इकाई-V	**तर्कशास्त्र का परिचय** 1. तर्कशास्त्र का स्वरुप एवं विषय: क) तर्कशास्त्र का स्वरुप ख) आगमनात्मक और निगमनात्मक तर्कशास्त्र ग) ज्ञान और सत्य घ) सत्य और वैधता 2. विचार के नियम 3. पद: पद की परिभाषा और वर्गीकरण, पदव्याप्ति 4. तर्कवाक्य, तर्कवाक्यों के प्रकार, निरपेक्ष तर्कवाक्य और उसके प्रकार 5. तर्कदोष	18 घण्टे
Unit-V	**1. Nature and Scope of Logic:** a) The Nature of Logic, b) Deductive & Inductive, c) Knowledge and Truth, d) Truth and Validity **2. Laws of Thought** **3.** Terms: Definition and Classification of Terms, Distribution of Term **4.** Categorical Proposition and Its kinds **5. Fallacies**	18 Hours
Suggested Readings :	1. डॉ. चन्द्रधर शर्मा, भारतीय दर्शन अलोचन और अनुशीलन, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 1995 2. डॉ. बी.एन. सिंह एवं डॉ. आशा सिंह, भारतीय दर्शन, स्टूडेण्ट्स फ्रेण्ड्स एण्ड कम्पनी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय मार्ग लंका, वाराणसी–5, 1996 3. प्रो. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, भारतीय दर्शन की रूपरेखा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1963 4. बलदेव उपाध्याय, भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर प्रकाशन, वाराणसी, 1997 5. नन्द किशोर देवराज, भारतीय दर्शन, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1976 6. Dutta & Chatterjee, An Introduction to Indian Philosophy, University of Calcutta, 1968. 7. M. Hiriyanna, Outlines of Indian Philosophy, George Allen and Unwin, Lodon-1932.	
परिलब्धि	विद्यार्थी पाठ्यक्रम के अध्ययनोपरान्त भारतीय दार्शनिक सम्प्रदायों के प्रति विश्लेषणात्मक	

	एवं तुलनात्मक दृष्टि से परिपूर्ण होंगे। विद्यार्थी हमारे प्राचीन ऋषियों के ज्ञान और संस्कृति से परिचित होंगे तथा उनके चिन्तन का क्षेत्र विस्तृत होगा।
Outcomes	This Course will help the students to evaluate each system of Indian Philosophy in critical and comparative light. Through this course, students will come to know philosophical and rich cultural wisdom of our ancient thinkers.